इन्हें भी जानें

सतर्क नागरिक संगठन और उसके उद्देश्य

अंजलि भारद्वाज

सतर्क नागरिक संगठन (एसएनएस) सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने और गवर्नेंस में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से काम करता है। एसएनएस एक स्वतंत्र गैरसरकारी संगठन है जो न तो किसी राजनीतिक पार्टी से संबद्ध है और न ही किसी दल द्वारा समर्थित है। एसएनएस की मुख्य रणनीति है कि सूचना का अधिकार कानून के माध्यम से लोगों को सार्वजनिक कोष के उपयोग और नीति निर्धारण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने में सक्षम बनाया जाए। राष्ट्रीय सूचना का अधिकार कानून के तहत कोई भी नागरिक सरकार के तीनों स्तम्भों कार्यपालिका, विधायिका व न्यायपालिका, से जुड़ी सूचनाएं जान सकता है। संगठन लोगों को आरटीआई का इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित करता है ताकि वो ये जान सकें कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि ने कैसे और कितना काम किया। साथ ही राशन, सार्वजनिक कार्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर सरकार के कामकाज से जुड़ी सूचनाएं भी हासिल कर सकें।

राजनीतिक जवाबदेही का जन-आंदोलन: लोगों के साथ संवाद के दौरान संगठन ने अनुभव किया कि अक्सर ही लोगों को जनप्रतिनिधि की तय भूमिका और दायित्वों के बारे में पता ही नहीं होता है। उन्हें कोई जानकारी नहीं होती कि उनके प्रतिनिधि निर्वाचित होने के बाद किस तरह और क्या काम करते हैं। इस कारण से नागरिकों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच विकास के मुद्दे पर कोई सार्थक चर्चा व भागीदारी नहीं हो पाती।

एसएनएस के प्रयासों ने लोगों में यह जानने के लिए रुचि जगाई कि आखिर उनके प्रतिनिधि ने अपनी जिम्मेदारियां कैसी और कितनी निभाईं। एसएनएस ने लोगों के साथ मिलकर दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सभी 70 विधायकों के रिपोर्ट कार्ड तैयार किए थे। इसमें विधायकों के प्रदर्शन को उनकी निर्धारित भूमिका व दायित्वों की कसौटी पर कसा गया और उससे जुड़ी तमाम सूचनाएं आरटीआई के तहत जुटाई गईं। एसएनएस और हिन्दुस्तान ने मिलकर विधायकों के ये रिपोर्टकार्ड दिल्ली के लोगों के समक्ष पेश किए और ये क्षेत्र में विकास की जरूरतों पर जनप्रतिनिधि का ध्यान आकृष्ट करने में नागरिकों के लिए काफी फायदेमंद भी साबित हुए।

मौजूदा अभियान : अब लोकसभा चुनाव से पहले एसएनएस ने मौजूदा सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है। इसके लिए मुख्यत: तीन मानक तय किए गए; मसलन लोकसभा में सांसद का प्रदर्शन कैसा रहा, उन्होंने सांसद क्षेत्रीय विकास निधि (एमपीलैड) का उपयोग किस तरह किया और कार्यपालिका के कामकाज पर नजर रखने के लिए जिम्मेदार संसदीय समितियों में उनका प्रदर्शन किस प्रकार का रहा। सतर्क नागरिक संगठन अब एक बार फिर हिन्दुस्तान के साथ मिलकर अगले दो महीने में दो सौ से ज्यादा प्रमुख सांसदों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश करेगा। उम्मीद है कि यह अभियान ज्यादा पारदर्शी और जवाबदेह राजनीतिक माहौल सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा।

(लेखिका सतर्क नागरिक संगठन की निदेशक हैं)

देश में जल्द ही लोकतंत्र के महापर्व यानी लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है तो हमने सोचा कि क्यों न आपको अपने जनप्रतिनिधियों के बारे में कुछ ऐसी सूचनाएं मुहैया कराएं जिससे यह समझने में आसानी हो कि हमारे सांसद जी ने अपनी जिम्मेदारियां कुशलता से निभाईं भी या नहीं। मसलन, उन्होंने सांसद क्षेत्रीय विकास निधि के तहत मिलने वाली राशि से कितना विकास कार्य कराया और किन मुद्दों को सदन में उठाया। ये सारी जानकारियां सतर्क नागरिक संगठन ने सूचना अधिकार कानून (आरटीआई) का इस्तेमाल करके और कुछ सरकारी वेबसाइटों के जरिये जुटाई है।

हिन्दुस्तान
सतर्क नागरिक संगठन

राज बब्बर (सपा), आगरा (उत्तर प्रदेश)

लोकसभा में प्रदर्शन (2007)

उपस्थिति	तारांकित प्रश्न	अतारांकित प्रश्न	बिल पेश किए गए	कार्यवाही में हिस्सेदारी (प्रश्नों को छोड़कर)
36/66	0	0	0	1

मुद्दे	प्रश्नों की सं.	हिस्सेदारी
आंतरिक सुरक्षा	–	1
रक्षा	–	–
विदेश नीति	–	–
सामाजिक कल्याण	–	–
महिला एवं बाल कल्याण	–	–
आर्थिक मुद्दे	–	
बजट	–	–
इंफ्रास्ट्रक्चर	–	–
पर्यावरण		
जल, स्वास्थ्य, स्वच्छता	–	–
लोकतांत्रिक मुद्दे	–	–
अन्य	–	–
कुल	0	1

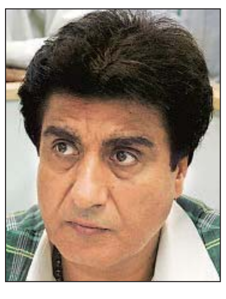

राजबब्बर का जन्म 23 जून 1952 को आगरा में हुआ। पिता का नाम कौशल बब्बर। दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट। आगरा के मुफीदे-ए-आम इंटर कालेज से इंटरमीडियट की पढ़ाई। 1970 में लोहिया की विचारधारा से प्रभावित हो समाजवादी युवजन सभा के सदस्य बने और दिल्ली वोट क्लब में बेरोजगारी के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लेकर पुलिस की लाठियां भी खाईं। 1987 में वीपी के साथ जनमोर्चा के स्टार प्रचारक के रूप में देश का भ्रमण। 94 में सपा के स्टार प्रचारक बने, 95 में रा.स. सदस्य नामित। 2001 व 04 में आगरा से सांसद। अमर सिंह से विवाद के चलते 2006 में सपा छोड़ जन मोर्चा बनाया। अब फतेहपुर सीकरी से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी।

सांसद निधि खर्च का ब्योरा (2004-08)

मद	रुपये (लाख में)
सड़क, गली और फुटपाथ	323.6
नाली	87.5
बिजली	0.5
पार्क	2.4
पानी	33.1
सीवर	4.1
कम्युनिटी सेंटर	13.4
स्कूल	11.8
श्मशान	1.2
अन्य	10.4
कुल	488.0

सांसद निधि से हर वर्ष दो करोड़ तक विकास कार्य संभव

संसदीय समिति में सदस्यता (2004-08)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा विधि एवं न्याय मामलों की समिति में 25.9.06 से 4.8.08 तक सदस्य, याचिका समिति में 7.8.04 से 24.8.06 तक सदस्य और परिवहन, पर्यावरण एवं संस्कृति समिति 5.8.04 से 4.8.06 तक सदस्य.

संसदीय समिति में प्रदर्शन (2007-08)

कमेटी का नाम	सदस्य की स्थिति	कब से	कब तक	हाजिरी
कार्मिक, लोक शिकायत विधि एवं न्याय	सदस्य	05.8.07	04.8.08	10/29

हरेन पाठक (बीजेपी) अहमदाबाद (गुजरात)

लोकसभा में प्रदर्शन (2007)

उपस्थिति	तारांकित प्रश्न	अतारांकित प्रश्न	बिल पेश किए गए	कार्यवाही में हिस्सेदारी (प्रश्नों को छोड़कर)
50/66	2	16	0	7

मुद्दे	प्रश्नों की सं.	हिस्सेदारी
आंतरिक सुरक्षा	2	2
रक्षा	1	–
विदेश नीति	–	–
सामाजिक कल्याण	2	–
महिला एवं बाल कल्याण	–	–
आर्थिक मुद्दे	3	1
बजट	–	–
इंफ्रास्ट्रक्चर	4	–
पर्यावरण	1	
जल, स्वास्थ्य, स्वच्छता	2	–
लोकतांत्रिक मुद्दे	–	–
अन्य	3	4
कुल	18	7

देश की आजादी से करीब डेढ़ महीने पहले पंचमहल में जन्मे हरेन पाठक ने पांच बार अहमदाबाद लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। मिलनसार, मृदुभाषी होने का साथ-साथ विवादित नेता भी हैं। 1975 में वह कारपोरेशन के लिए चुने गए और 1989 में संसद पहुंचे। तब से कोई भी चुनाव नहीं हारे। 1985 में अहमदाबाद के खाडिया इलाके में आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान एक होमगार्ड जवान की हत्या के मामले में इनका नाम आया था और इसी को लेकर उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी सरकार से इस्तीफा देना पड़ा। बाद में कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। पाठक मोदी और आडवाणी के करीबी हैं और उनकी खासियत यह है कि अपने क्षेत्र के अधिकतर लोगों को वह नाम से जानते हैं।

सांसद निधि खर्च का ब्योरा (2004-08)

मद	रुपये (लाख में)
सड़क, गली और फुटपाथ	267.1
नाली	14.8
बिजली	29.6
पानी	47.4
सीवर	41.0
एंबुलेंस खरीद	49.0
कम्युनिटी सेंटर	20.0
स्कूल	19.5
अस्पताल	15.0
अन्य	6.8
कुल	510.3

सांसद निधि से हर वर्ष दो करोड़ तक विकास कार्य संभव

संसदीय समिति में सदस्यता (2004-08)

गवर्मेंट एश्योरेंसेस कमेटी के 7.8.04 से 6.8.08 तक अध्यक्ष और 10.6.04 से 13.7.06 तक हाउस कमेटी, 5.8.04 से 4.8.08 तक कार्मिक लोक शिकायत, विधि एवं न्याय और 17.9.04 से जनरल पर्पज कमेटी के सदस्य.

संसदीय समिति में प्रदर्शन (2007-08)

कमेटी का नाम	सदस्य की स्थिति	कब से	कब तक	हाजिरी
कार्मिक, लोक शिकायत विधि एवं न्याय	सदस्य	05.8.07	04.8.08	17/29

शंखलाल मांझी (सपा) अकबरपुर (उत्तर प्रदेश)

लोकसभा में प्रदर्शन (2007)

उपस्थिति	तारांकित प्रश्न	अतारांकित प्रश्न	बिल पेश किए गए	कार्यवाही में हिस्सेदारी (प्रश्नों को छोड़कर)
53/66	0	1	0	5

मुद्दे	प्रश्नों की सं.	हिस्सेदारी
आंतरिक सुरक्षा	–	–
रक्षा	–	–
विदेश नीति	–	–
सामाजिक कल्याण	1	1
महिला एवं बाल कल्याण	–	–
आर्थिक मुद्दे	–	
बजट	–	4
इंफ्रास्ट्रक्चर	–	–
पर्यावरण		
जल, स्वास्थ्य, स्वच्छता	–	–
लोकतांत्रिक मुद्दे	–	–
अन्य	–	–
कुल	1	5

बसपा सुप्रीमो मायावती की परम्परागत सीट पर 2005 के उपचुनाव में जीत हासिल कर चर्चा में आए शंखलाल मांझी परिसीमन के बाद नई अम्बेडकरनगर सीट से पुनः ताल ठोकने की तैयारी में हैं। 90 के दशक में बस्ती में जिला पंचायत सदस्य के रूप में राजनीतिक शुरुआत। हैंसर बाजार सीट से 1991 व 93 में हार के बाद यहीं से पहली बार विधानसभा पहुंचे। जदयू के एकमात्र विधायक थे। बसपा-भाजपा गठबंधन सरकार में मंत्री बने। बाद में जदयू छोड़ सपा की साइकिल पर सवार हो गए। 2004 में लोकसभा चुनाव में अकबरपुर में मायावती के खिलाफ हार का मुंह देखा। मगर से सुल्तानपुर तक रेलवे लाइन की पहल के लिए चर्चित। विकास कार्यों की वजह से क्षेत्र में अच्छी छवि।

सांसद निधि खर्च का ब्योरा (2004-08)

मद	रुपये (लाख में)
सड़क, गली और फुटपाथ	345.1
नाली	146.7
बिजली	24.1
पार्क सुंदरीकरण	2.0
पानी	0.0
सीवर	0.0
स्कूल	92.4
कम्युनिटी सेंटर, चौपाल	–
अस्पताल	–
अन्य	16.3
कुल	626.6

सांसद निधि से हर वर्ष दो करोड़ तक विकास कार्य संभव

संसदीय समिति में सदस्यता (2004-08)

अकबरपुर से लोकसभा के सदस्य शंखलाल मांझी दो वर्ष के लिए जल संसाधन मामलों की संसदीय समिति के सदस्य रहे. उनका कार्यकाल 05.08.2006 को शुरू होकर 04.08.2008 में पूरा हुआ.

संसदीय समिति में प्रदर्शन (2007-08)

कमेटी का नाम	सदस्य की स्थिति	कब से	कब तक	हाजिरी
जल संसाधन	सदस्य	05.8.07	04.8.08	11/13

ये सूचनाएं लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के पूर्व की स्थिति के मुताबिक हैं। **तारांकित प्रश्न :** ऐसे सवाल जिनका सांसद सदन में मौखिक जवाब चाहते हैं। **अतारांकित प्रश्न :** यानी वे सवाल जिनका सांसद लिखित जवाब मांगते हैं।

जवानों की कमी से लंबा खिंच सकता है चुनाव

श्याम सुमन नई दिल्ली

वर्ष 2004 में लोकसभा चुनाव 20 अप्रैल से लेकर 10 मई तक चार चरणों में हुए थे। लेकिन इस बार मुंबई हमला, शहरों में बम ब्लास्ट तथा पाकिस्तान सीमा पर बढ़े तनाव को देखते हुए चुनावों की अवधि बढ़ सकती है जिससे चुनावों को चार से ज्यादा चरणों में करवाया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान से लगी सीमा से सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ियों को बुलाना इस बार संभव नहीं हो सकता है क्योंकि मुंबई हमले के बाद सीमा पर तनाव बढ़ा है। चुनाव में सुरक्षा देने वाला सीमा सुरक्षा बल मुख्य केंद्रीय बल है। चुनाव की घोषणा अभी नहीं हुई है लेकिन नई लोकसभा का गठन 31 मई तक होना है जिसके लिए चुनाव अप्रैल के मध्य में शुरू करवाने पड़ेंगे। वैसे12 फरवरी से संसद का सत्र शुरू हो रहा है जो 26 फरवरी तक चलेगा जाहिर है चुनाव की तिथियां इसके बाद ही घोषित की जाएंगी। हालांकि सभी राजनैतिक दलों की मांग है कि चुनाव लंबा न खींचा जाए, हो सके तो इसे तीन हफ्तों में के अंदर अधिकतम चार चरणों में निपटा दिया जाए। लेकिन सुरक्षा बलों की उपलब्धता को देखते हुए चुनाव आयोग इस आग्रह को ठुकरा सकता है।

देश में आतंकी हमले व पाक सीमा पर बढ़े तनाव के कारण सुरक्षाबलों की टुकड़ियां वहां तैनात हैं, जिससे चुनाव के लिए उन्हें वहां से हटाना संभव नहीं

आयोग के सूत्रों ने बताया की कोशिश रहेगी कि दक्षिण भारत के राज्यों में चुनाव एक ही दिन में करवाए दिए जाएं। वहां उत्तर भारत की तरह भौगोलिक और पारिस्थितिक परेशानियां नहीं हैं। पिछले दिनों एक चुनाव आयुक्त ने चुनाव की 8 अप्रैल से 15 मई तक की संभावित तिथियां बताई थी लेकिन इन तिथियों का मुख्य चुनाव आयुक्त ने खंडन कर दिया है। बाद में उस चुनाव आयुक्त ने भी इनका खंडन कर दिया। पिछले दिनों यह भी कहा गया था कि चुनाव सात चरणों में होंगे जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे लंबा समय होता, आयोग इसे व्यावहारिक नहीं मानता लेकिन इतना जरूर है कि चुनाव चार से ज्यादा चरणों में होंगे।

आपातस्थिति को पायलटों को प्रशिक्षण

नई दिल्ली (वि.सं.)। गत रविवार को इंडिगो एयरलाइन की उड़ान संख्या 6 ई-334 में एक यात्री के व्यवहार के कारण पैदा हुई आपात स्थिति और विमानों के आवागमन में हुए व्यवधान की पृष्ठभूमि में सरकार ने पायलटों और कैबिन क्रू को आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण देने का फैसला किया है। यहां नागरिक उड्डयन मंत्रालय में कैबिनेट सचिव के.एम.चन्द्रशेखर की अध्यक्षता में हुइ विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की एक विशेष बैठक में उड्डयन सुरक्षा पर तैयारियों की समीक्षा की गई। मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य में सभी हवाई अड्डों पर सतत चौकसी रखने के अलावा यह भी तय हुआ कि इस काम से जुड़े रक्षा, उड्डयन और गृह मंत्रालय तथा तमाम एजेंसियों के लिए कार्रवाई करने का एक मानक तैयार हो तथा उसमें लगातार सुधार किया जाए।

यह भी सुझाव दिया गया कि सूचना का प्रवाह निर्बाध हो तथा फैसले लेने की व्यवस्था भी दुरुस्त की जाए। साथ ही सभी नागरिक हवाई अड्डों पर आपात स्थिति से निपटने के अभ्यास किए जाते रहें व आपात स्थिति में काम आने वाली हर चीज पूरी तरह से तैयारी की हालत में हो।

संसदीय समिति ने ताज में देखी दरार

आगरा (व.सं.)। पर्यटन मामलों में संसद की स्थायी समिति ने रविवार को एत्मादुद्दौला और ताजमहल का निरीक्षण किया। समिति के अध्यक्ष सीताराम येचुरी ने एत्मादुद्दौला का पारंपरिक प्रवेश द्वार यमुना नदी की ओर से होने का जिक्र करते हुए इसका उपयोग किये जाने पर जोर दिया। समिति ने ताजमहल में पड़ी दरारें देखीं लेकिन दक्षिणी गेट की समस्याओं से मुंह मोड़ लिया।

बेबी ताज में यमुना से प्रवेश का किया समर्थन

संसद की स्थायी समिति के एजेंडे में ताजमहल और आगरा के स्मारकों का निरीक्षण खानापूरी सरीखा ही दिखा। 27 सदस्यीय समिति के 25 सदस्य आगरा नहीं आये। साथी सांसद नरेश गुजराल के साथ आगरा आये सीताराम येचुरी ने बीती रात भी ताजमहल का निरीक्षण किया। रविवार की सुबह दोनों सांसद एत्मादुद्दौला का मकबरा देखने पहुंचे। यहां सांसदों ने मकबरे में नक्काशी के काम में किये जा रहे मरम्मत के काम को बारीकी से देखा। सीताराम येचुरी ने मकबरे में नदी की ओर से प्रवेश के पारंपरिक द्वार का उपयोग किये जाने की वकालत की। ताजमहल के निरीक्षण के दौरान सांसदों ने टूरिस्ट फैसेलिटी सेंटर,म्यूजियम और सुरक्षा के इंतजामों को देखा।

गणेश वचन

Ganesha speaks™ astrology by bejan daruwalla

बेजान दारूवाला

मेष : गणेशजी कहते हैं कि आपका आज का दिन मानसिक खौफ से भरा होगा। मां की तबीयत का ध्यान रखें।

वृषभ : गणेशजी कहते हैं कि आज आप शरीर और मन से हल्कापन महसूस करेंगे। आपके उत्साह में वृद्धि होगी।

मिथुन : गणेशजी कहते हैं कि आज के दिन आपको कार्य करने में थोड़ा विलंब होगा। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा।

कर्क : गणेशजी कहते हैं कि सगे-संबंधियों और कुटुंबीजनों के साथ आप आज का दिन अत्यंत आनंद में व्यतीत करेंगे।

सिंह : गणेशजी कहते हैं कि अत्यधिक भावुकता आपके मन को व्याकुल करेगी। व्यवहार में संयम रखें। गलतफहमी से बचें।

कन्या : गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन अत्यंत आनंद और उल्लास में व्यतीत होगा। विविध क्षेत्रों में लाभ की प्राप्ति होगी।

तुला : गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन आपके लिए शुभ है। व्यवसाय के क्षेत्र में आपके लिए अनुकूल वातावरण रहेगा।

वृश्चिक : गणेशजी आज आपको सावधानीपूर्वक कार्य करने की सलाह देते हैं। महत्त्वपूर्ण निर्णय लेना टालें।

धनु : आज किसी भी नये कार्य की शुरुआत न करने की गणेशजी सलाह देते हैं। रोगोपचार की शुरुआत न करें।

मकर : गणेशजी कहते हैं कि आज आपका दिन शुभ साबित होगा। विचारों में अनिर्णयकता रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभ : गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन आपके लिए खुशी और आनंददायक साबित होगी। सफलता और यश की प्राप्ति होगी।

मीन : गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी सृजनशीलता में अधिक निखार आएगा। साहित्य की दुनिया में विचरण करेंगे।

वर्ग पहेली 2061

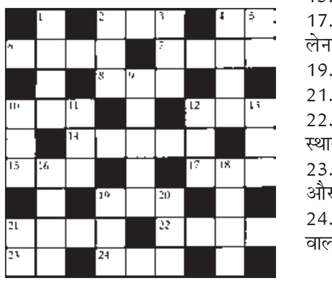

बाएं से दाएं
2. एक पत्तेदार सब्जी; पालने वाला (3)
4. ढंग; तर्ज; हावभाव; नखरा (2)
6. खरीद बिक्री हेतु किया जाने वाला मोल-भाव(4)
7. झपटना; तेजी से आगे बढ़ना; पकड़ना (4)
8. तल; परत (3)
10. भावपूर्ण; मीठा; रसीला (3)
12. मुंह; मुख (3)
14. यमराज; सावर्णि मनु; कर्ण; सूर्यपुत्र (5)
15. धन की देवी; लक्ष्मी (3)
17. देखना; निहारना; आश्रय लेना; शरण लेना (3)
19. खराबी; तबाही; हानि (3)
21. दोस्त; संगी; सखा (4)
22. अभियुक्त को रखने का स्थान (4)
23. थूक; एक प्रकार का वृक्ष और उसका निर्यास (2)
24. उमंग; मौज; रह रहकर उठने वाला दर्द (3)

ऊपर से नीचे
1. उतरना; जन्म लेना; देवताओं द्वारा मानव शरीर धारण करना (4)
2. बरसात; वर्षा ऋतु (3)
3. झगड़ा; लड़ाई; तकरार; तलवार की म्यान (3)
4. तनाव; ऐंठन; ठिठुरन; कड़ापन (4)
5. अन्न कण; अनाज; गोल वस्तु; शरीर पर निकला छोटा गूमड़ (2)
9. चमकना; क्रोध से लाल होना (5)
10. रास्ता; मार्ग (3)
11. सरल स्वभाव की स्त्री; ईमानदार (3)
12. कुरान वाक्य; समकोण चतुर्भुज (3)
13. रत्न; मणि; नग (3)
16. बारीक सूत से बुना पतला कपड़ा (4)
18. संदेशा भेजना; कहलाया जाना (4)
19. स्वच्छ; निर्मल (3)
20. नगर (3)
21. हरे रंग का; हरित; प्रसन्न; प्रफुल्लित (2)

उत्तर अगले अंक में
विविधा विधा

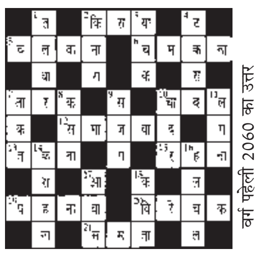

वर्ग पहेली 2060 का उत्तर

सूडोकू 1147

2				3			6	
9			4				5	3
	1			9	5	2		8
		6	1			7		5
	2		7		3		8	
5		3			6	4		
1		9	2	4			7	
7	8				9			1
	3			1				4

बहुत आसान ★

खेलने का तरीका

दिमागी खेल और नम्बरों की पहेली। तर्क के सहारे आप इसे हल कर सकते हैं। ऊपर नौ-नौ खानों के नौ खाने या बक्से दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के हरेक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। साथ ही 3 x 3 के हरेक बक्से में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल हम कल देंगे।

हल : सूडोकू नं. 1146

3	7	2	6	4	1	9	5	8
4	1	5	8	7	9	2	3	6
6	9	8	2	5	3	4	7	1
8	6	9	7	2	4	5	1	3
1	3	7	5	9	6	8	2	4
5	2	4	3	1	8	7	6	9
9	5	1	4	6	2	3	8	7
2	4	3	1	8	7	6	9	5
7	8	6	9	3	5	1	4	2

©पापाकॉक की पहेलियां। हल के संकेत और कम्प्यूटर प्रोग्राम के लिए

सिनेमा

देव डी
नॉर्थ
पीवीआर प्रशांत विहार 10, 12.50, 3.40, 6.30, 9.20, 10.55, जी3एस रोहिणी 10.15, 12.45, 3.30, 10.45, डीटी सिनेमाज शालीमार बाग 11.30,2.10, 4.50, 7.40, 10.20, मूवीटाइम पीतमपुरा 9.45, 12.20, 2.55, 5.30, 8.05, 10.40, अम्बा 12, 3.15, 6.30, 9.30, एम2के पीतमपुरा 10, 12.35, 3.10, 5.35, 8.20, 10.55, एम2के रोहिणी 10, 2.50, 5.35, 8.20, 10.55, बत्रा 12.15, 4.45, 9.20।
साउथ
पीवीआर साकेत 11, 1.50, 4.40, 7.30, 11, पीवीआर सेलेक्ट सिटीवॉक 10.45, 1.45, 4.45, 7.45, 10.45, सेलेक्ट गोल्ड क्लास 10.55, 1.55, 4.55, 7.55, 10.55, पीवीआर प्रिया 11.00, 10.05, ग्लिट्ज 10.45, 7, 10।
सेंट्रल
पीवीआर रिवोली 1.30, 7.30, पीवीआर प्लाजा सुबह 10, रात 10.30, डिलाइट 12.30, 3.30, 6.30, 9.30।
ईस्ट
पीवीआर ईडीएम 11, 1.50, 4.40, 7.30, 10.20।

मेरे ख्वाबों में जो आए
नॉर्थ
पीवीआर प्रशांत विहार 10.20, 12.45, 6.05, 8.30, जी3एस रोहिणी 10.15, 3, 8.30, 10.45, डीटी सिनेमाज शालीमार बाग 11.55, 4.10, 8.25, 10.35।
साउथ
पीवीआर साकेत 10.30, 3.10, 6, 10.20, पीवीआर सेलेक्ट सिटीवॉक 11.30, 2, 7.30, 10, सेलेक्ट गोल्ड क्लास 12, 5.15, 7.45, 10.15, पीवीआर प्रिया 2, 7.35।
सेंट्रल
पीवीआर प्लाजा 12.50, 3.15, 5.40, 8.05, ग्लिट्ज 1.30, 4।
वैस्ट
पीवीआर नारायणा 10.15, 12.45, 5.45, 8.15, 10.45, पीवीआर विकासपुरी 12.20, 5.10, 7.40, 10.10, वेव राजा गार्डन 10.45, 2.45, 5, 7.15।

चल चला चल
नॉर्थ
मूवीटाइम पीतमपुरा 2.55, 8.15।
सेंट्रल
लिबर्टी 12, 3.15, 6.30, 9.30, गोलचा 12.30, 3.30, 6.30, 9.30,
वैस्ट
मूवीटाइम राजौरी गार्डन 10, 3.15, 4.40, 10.15।

ऋद्धि-सिद्धि-सुख-समृद्धि

माघी पूर्णिमा पर विशेष
स्नान-दान और यज्ञ का विशेष महत्त्व

डॉ. रवीन्द्र नागर

माघ मास की पूर्णिमा तिथि स्नान-दानादि के लिए परम फलदायिनी बतायी गयी है। इस दिन स्नान, दान एवं यज्ञ का विशेष महत्त्व है। एक मास तक कल्पवास करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यह विशेष पर्व है।

इस पुण्य तिथि को सभी कल्पवासी गृहस्थ प्रातःकाल गंगा-स्नान कर गंगा माता की आरती और पूजा करते हैं तथा अपनी-अपनी कुटियों में आकर हवन करते हैं। इसके बाद वे साधु-सन्यासी तथा ब्राह्मणों एवं भिक्षुओं को भोजन कराकर स्वयं भोजन ग्रहण करते हैं और कल्पवास के लिए रखी गयी खाने-पीने की वस्तुएं, जो कुछ बची रहती हैं, उन्हें दान कर देते हैं तथा गंगाजी की रेणुका, प्रसाद, रोली, रक्षा एवं पोथी-पत्रा लेकर अपने साथ गंगाजल लाते हैं और गंगा माता के दरबार में उपस्थित होने की प्रार्थना करते हैं।

माघ के महीने में तीर्थस्थानों पर जाकर स्नान-व्रत, दान-पुण्य करने की प्राचीन परंपरा है। कुछ लोग कल्पवास के लिए भी पवित्र स्थानों पर जाते हैं। जिन लोगों को पितृदोष अथवा कालसर्प दोष जैसे असाध्य दोष हों, वे लोग भी माघ पूर्णिमा के दिन श्राद्ध व पूजा करके इन दोषों से मुक्ति पा सकते हैं।

स्नान सूर्योदय के समय श्रेष्ठ है। इसके बाद जितना विलंब हो, उतना ही निष्फल होता है। हालांकि स्नान के लिए काशी और प्रयाग उत्तम माने गये हैं, मगर वहां न पहुंच पाने वाले श्रद्धालु भी तीर्थ स्थानों का स्मरण करके कुआं, तालाब अथवा शुद्ध जल से स्नान कर सकते हैं।

पद्म-पुराण में लिखा है कि ब्रह्म मुहूर्त में किये गये कार्य का दोगुना फल हो जाता है। प्रातःकाल नदियों का जल भी उतना ठंडा नहीं होता, इसलिए भक्तगण प्रातः शीघ्र नदियों में स्नान कर लेते हैं। विद्यार्थियों, गृहणियों और स्वास्थ्य लाभ करने वाले लोगों के लिए यह आदर्शकाल है। विद्यार्थियों को परीक्षाओं का सामना करने के लिए निर्भय होकर अपने स्वाध्याय में लग जाना चाहिए। स्वास्थ्य लाभ करने वाले प्रातः भ्रमण और औषधि सेवन इस दिन से प्रारंभ कर सकते हैं।

विधि : माघी पूर्णिमा को धार्मिक कृत्यों के सम्पन्न करने की विधि इस प्रकार है- प्रातःकाल नित्य कर्म एवं स्नानादि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु का विधि-पूर्वक पूजन करें। भगवान विष्णु की गन्ध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, प्रसाद आदि अर्पण कर विधिवत् पूजा करनी चाहिए। पूजा का मंत्र है-

वसुदेव सुतं देवम् कंस चाणूर मर्दनम्।
देवकी परमानन्दम् कृष्णं वन्दे जगत् गुरुम्।।

पितरों का श्राद्ध करें। असमर्थों को भोजन, वस्त्र तथा आश्रय दें। तिल, कम्बल, कपास, गुड़, घी, मोदक, जूते, फल, अन्न और यथाशक्ति सुवर्ण, रजत आदि का दान दें।

व्रत और त्योहार / पंचांग

स्नान-दान-व्रतादि की माघी पूर्णिमा। गुरु रविदास जन्म दिवस। भैरव जयंती। सूर्य उत्तरायण। सूर्य दक्षिण गोल। शिशिर ऋतु प्रातः 7 बजकर 30 से प्रातः 9 बजे तक राहु कालम।

पंचांग
सूर्य : मकर राशि में, चंद्रमा : कर्क राशि में, बुध : मकर राशि में, शुक्र : मीन राशि में, मंगल : मकर राशि में, वृहस्पति : मकर राशि में, शनि : सिंह (वक्री) राशि में, राहु : मकर राशि में, केतु : कर्क राशि में।
9 फरवरी, सोमवार, 20 माघ (सौर) शक 1930, माघ मास 27 प्रविष्टे 2065, 13 सफर सन हिजरी 1430, माघ शुक्ल पूर्णिमा रात्रि 8 बजकर 19 मिनट तक पश्चात प्रतिपदा, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 1 बजकर 14 मिनट तक तदनन्तर मघा नक्षत्र, सौभाग्य योग सायं 7 बजकर 17 मिनट तक उपरान्त शोभन योग, विशिष्ट (भद्रा) करण प्रातः 9 बजकर 48 मिनट तक चन्द्रमा रात्रि 1 बजकर 14 मिनट तक कर्क राशि में उपरान्त सिंह राशि में। **पं. वेणी माधव गोस्वामी**